

SA-03

June – Examination 2024

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(काव्य तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास)

Paper : SA-03

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 70

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है।
प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ

7×2=14

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) कुमारसम्भवम् में कुल कितने सर्ग हैं ?
- (ii) पार्वती का नाम अपर्णा कैसे पड़ा ?
- (iii) रघुवंश में राजा दिलीप की पत्नी का नाम क्या है ?

- (iv) नन्दिनी (गो) किसकी पुत्री थी ?
 (v) भारवि के महाकाव्य का नाम लिखिए।
 (vi) बाणभट्ट की दोनों गद्य रचनाओं के नाम लिखिए।
 (vii) 'नैषधचरितम्' के रचयिता कौन हैं ?

खण्ड—ब

4×7=28

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :
- (i) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।
 क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः पयश्च निम्नामिमुखं प्रतीपायेत् ॥
- (ii) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
 हेम्नः संलक्ष्यते त्वग्नो विशुद्धिः श्यामिकाऽपवा ॥
3. रघुवंश महाकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
4. कुमारसम्भवम् के पंचम सर्ग के आधार पर कालिदास के काव्य-सौन्दर्य पर लेख लिखिए।

SA-03/3

(2)

TT-281

5. रामायण में आदर्श समाज का चित्रण है, इस विषय पर लेख लिखिए।
6. अश्वघोष की काव्यकला पर एक लेख लिखिए।
7. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' पर एक लेख लिखिए।
8. श्रीहर्ष की रचना पर एक लेख लिखिए।
9. 'कादम्बरी' की गद्य-शैली पर एक लेख लिखिए।

खण्ड—स

2×14=28

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

- निर्देश :-** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।
10. रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर कालिदास के प्रकृति-चित्रण पर एक लेख लिखिए।
11. महाभारत के क्रमिक विकास पर एक लेख लिखिए।
12. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' विषय पर एक लेख लिखिए।
13. गद्यकाव्य के उद्भव विकास पर एक लेख लिखिए।

SA-03/3

(3)

TT-281